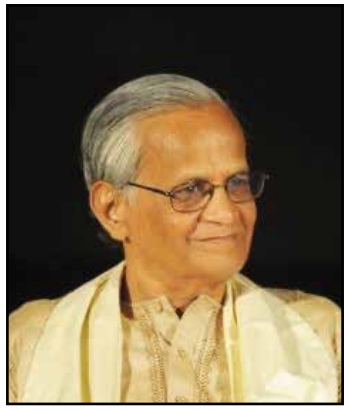

किरण सदाशिव देशपांडे

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (तबला)

महाराष्ट्र के विदर्भ के वडगाँव में 28 जून 1940 को जन्मे, श्री किरण सदाशिव देशपांडे ने हैदराबाद के शेख दाऊद खान के संरक्षण में तबला वादन, और सखाराम बी. देशपांडे और सदाशिव बी. देशपांडे के सानिध्य में हिंदुस्तानी गायन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपका संबंध दिल्ली, फरुखाबाद और अजराड़ा घराने से है। आप हैदराबाद के विवेक वर्धिनी संगीत महाविद्यालय और जबलपुर के भातखंडे संगीत महाविद्यालय जैसे संस्थानों से जुड़े रहे हैं। आपने खैरागढ़ विश्वविद्यालय से गायन संगीत में एम. ए.; जबलपुर विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. किया है और अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल, मिराज से गायन में संगीत विशारद हैं।

श्री देशपांडे ने जबलपुर के भातखंडे संगीत महाविद्यालय में पहले तबला शिक्षक और फिर व्याख्याता के रूप में कार्य किया है। आप शासकीय एमएलबी ऑटोनॉमस गर्ल्स कॉलेज, भोपाल में संगीत के प्रोफेसर (1979 से 2002) रहे हैं। आपको राज्यसभा टीवी की श्रृंखला "शख्सियत" में भी दिखाया गया है। आपने शास्त्रीय और लोक संगीत के संगम और उनकी अंतर–प्रासंगिकता जैसे विषय पर विभिन्न विश्वविद्यालयों में गोष्ठियाँ आयोजित की है। आप मध्य प्रदेश कला परिषद के सदस्य और भारत भवन, भोपाल के ट्रस्टी भी रहे हैं। आपको भारत सरकार के संस्कृति विभाग से जूनियर और सीनियर फेलोशिप मिल चुकी है।

श्री देशपांडे को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया है।

हिंदुस्तानी वाद्य संगीत (तबला) में योगदान के लिए श्री किरण सदाशिव देशपांडे को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

KIRAN SADASHIV DESHPANDE

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Hindustani Instrumental Music (Tabla)

Born on 28 June 1940 in Wadgaon, Vidarbha in Maharashtra, Shri Kiran Sadashiv Deshpande trained in Tabla under the tutelage of Shaikh Dawood Khan of Hyderabad, and in vocal music under Sakharam B. Deshpande and Sadashiv B. Deshpande. He is associated with the Delhi gharana, Farukhabad gharana and Ajarada gharana. He has been associated with institutions such as the Vivek Vardhini Sangeet Mahavidyalaya in Hyderabad, and Bhatkhande Sangeet Mahavidyalaya in Jabalpur. His academic qualifications include an M.A. in Vocal Music from Khairagarh University; M.A. in English Literature from Jabalpur University and a Sangeet Visharad in Vocal Music from the Akhil Bharatiya Gandharva Mahavidyalaya Mandal, Miraj.

Shri Deshpande has served as a Tabla teacher and then as a Lecturer in Bhatkhande Sangeet Mahavidyalaya in Jabalpur. He was the Professor of Music in the Government MLB Autonomous Girls College, Bhopal (1979 to 2002). He has been featured in the programme series "Shaksiyat" of Rajya Sabha TV. He has conducted and organized seminars in various Universities on the confluence of classical and folk music and their inter-relevance. He was a member of the Madhya Pradesh Kala Parishad and also served as the Trust member of the Bharat Bhavan, Bhopal. He has received the Junior and Senior Fellowship from the Department of Culture, Government of India.

Shri Deshpande has been conferred with the Shikhar Samman by the Government of Madhya Pradesh.

Shri Kiran Sadashiv Deshpande receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to Hindustani instrumental music.